

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. मुख्य राजस्व आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त,
गढ़वाल एवं कुमाऊँ मण्डल।
3. समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: (9 दिसम्बर, 2011)

विषय-प्रदेश में सीजनल संग्रह कार्मिकों को समान कार्य/समान वेतन के आधार पर लाभ अनुमन्य किए जाने के संबंध में।

महोदय,

भू राजस्व, अन्य सरकारी देयों एवं विविध देयों की समयबद्ध वसूली राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यक कार्य है। इन देयकों की वसूली के लिए संग्रह संवर्ग के रूप में संग्रह अमीन एवं संग्रह अनुसेवक सहित सीजनल कार्मिकों को भी रखे जाने की व्यवस्था है। सीजनल संग्रह कार्मिकों के पक्ष में राज्य गठन के पूर्व से ही मा0 उच्च न्यायालय के विभिन्न आदेशों के अनुपालन में न केवल सीजनल संग्रह कार्मिक अनवरत कार्य कर रहे हैं, कुछ मामलों में उन्हें समान कार्य समान वेतन के आधार पर लाभ भी मिल रहा है।

2. इस संबंध में सिविल मिस रिट पिटीशन सं0-9557/1997 उमराव सिंह रावत व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य में मा0 उच्च न्यायालय के निर्णय दि0-16.7.1997, सिविल मिस रिट याचिका सं0-31419/1997 हेम चन्द उप्रेती बनाम उत्तर प्रदेश सरकार एवं अन्य में पारित निर्णय दि0-30.7.1998 एवं रिट याचिका सं0-715/एस0एस0/2009 उधमसिंह नगर सीजनल संग्रह अमीन/अनुसेवक संघ बनाम उत्तराखण्ड सरकार एवं अन्य में मा0 उच्च न्यायालय के निर्णय दि0-27.12.2010 द्वारा समान कार्य समान वेतन के सिद्धान्त के आधार पर सीजनल संग्रह कार्मिकों को समान लाभ अनुमन्य किए जाने के आदेश पारित किए गए हैं।

3. उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में सम्यक विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मा0 उच्च न्यायालय के उक्त आदेशों का समादर करते हुए प्रदेश में सभी सीजनल संग्रह कार्मिकों को संग्रह अमीन वेतन वैण्ड रुपये 5200-20200 ग्रेड पे-2000, संग्रह अनुसेवक वेतन वैण्ड रुपये 5200-20200 ग्रेड पे-1800 एवं सहायक वासिल वाकी नवीस वेतन वैण्ड रुपये 5200-20200 ग्रेड पे-1900 के अनुरूप समान कार्य के लिए समान वेतन का लाभ दिए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

.....2

कृपया तत्कम में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०-180NP/XXVII(5)/2011-12 दि०-19.12.2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,


(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव।

पृ०प०सं० 3058/समदिनांकित/2011

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
3. प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. प्रमुख सचिव, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. प्रमुख सचिव, न्याय विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर देहरादून।
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(सन्तोष बडोनी)
अनुसचिव।